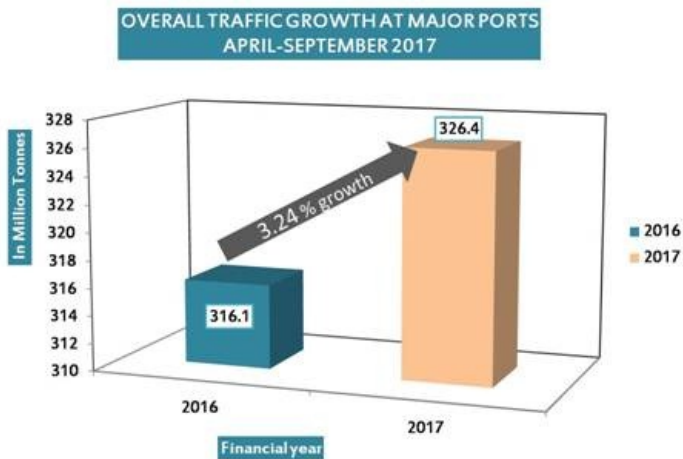


# अप्रैल-सितंबर, 2017 के दौरान प्रमुख बंदरगाहों ने 3.24% बढ़ोत्तरी दर्ज की

श्री गडकरी ने कहा कि बंदरगाह नए भारत के लिए विकास के उत्प्रेरक बन रहे हैं

Posted On: 11 OCT 2017 6:28PM by PIB Delhi

भारत के प्रमुख बंदरगाहों ने अप्रैल से सितंबर, 2017 तक की अवधि के दौरान 3.24% की बढ़ोत्तरी दर्ज की है और इन्होंने एक साथ मिलकर 326.4 मिलियन टन कार्गो का रखरखाव किया है। पिछले साल की इसी अवधि के दौरान बंदरगाहों ने 316.1 मिलियन टन कार्गो का रखरखाव किया था।



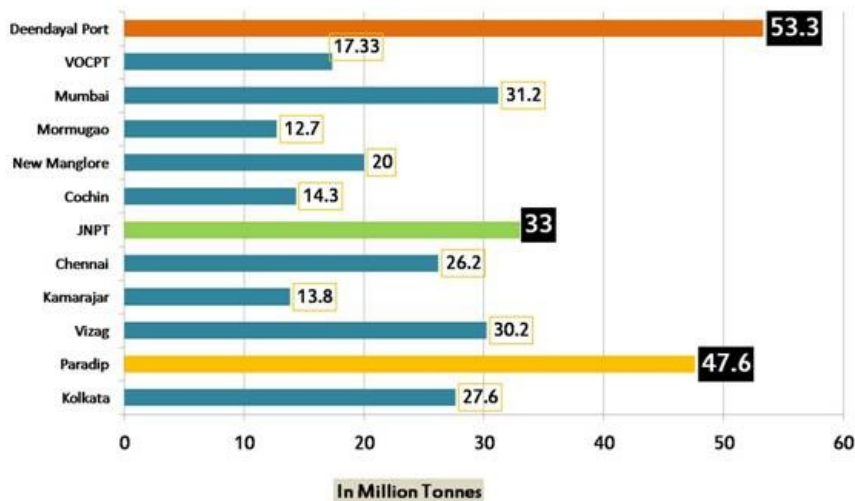
सात बंदरगाहों (कोलकाता, पारादीप, चेन्नई, कोचीन, न्यू मंगलोर, मुंबई और जेएनपीटी) ने अप्रैल से सितंबर 2017 तक की अवधि के दौरान यातायात में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है।

प्रमुख बंदरगाहों पर रख-रखाव किया गया कार्गो यातायात:

- कोचीन बंदरगाह द्वारा सबसे अधिक वृद्धि (19.62%) दर्ज की गई, इसके बाद कोलकाता (हल्दिया सहित), न्यू मंगलोर, पारादीप का स्थान रहा और इन्होंने लगभग 12% की वृद्धि दर्ज की।
- कोचीन बंदरगाह की प्रगति मुख्य रूप से पीओएल (27.8%) और कंटेनरों (10.3%) के यातायात में वृद्धि के कारण दर्ज हुई।
- कोलकाता बंदरगाह में, कुल सकारात्मक वृद्धि 11.95% रही अर्थात कोलकाता डॉक सिस्टम (केडीएस) ने 0.72% वृद्धि दर्ज की। जबकि हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स (एचडीसी) ने 17.74% की सकारात्मक वृद्धि दर्ज की।
- अप्रैल से सितंबर 2017 तक की अवधि के दौरान, कांडला पोर्ट ने सबसे अधिक यातायात की मात्रा अर्थात 53.29 मिलियन टन (16.33% हिस्सेदारी) का रख रखाव किया। इसके बाद पारादीप 47.61 मिलियन टन (14.5 9% हिस्सेदारी), जेएनपीटी 32.69 मिलियन टन (10.02% हिस्सेदारी, मुंबई 31.23 मिलियन टन (9.57% हिस्सेदारी) और विशाखापत्तनम 30.15 मिलियन टन (9.24% हिस्सेदारी) का स्थान रहा। इन पांच बंदरगाहों ने मिलकर लगभग 60% प्रमुख बंदरगाह यातायात संभाला।

कमोडिटी-वार पीओएल की सर्वाधिक प्रतिशत हिस्सेदारी 34.01%, रही। उसके बाद कंटेनर (20.22%), धर्मल और स्टीम कोयला (12.66%), अन्य विविध कार्गो (12.17%), कोकिंग और अन्य कोयला (7.6%), लौह अयस्क और पैलेट (6.65%), अन्य तरल पदार्थ (4.35%), तैयार उर्वरक (1.24%) और एफआरएम (1.11%) का स्थान रहा।

## TRAFFIC AT MAJOR PORTS DURING SEPTEMBER 2017



## TRAFFIC PERFORMANCE DURING APRIL-SEPTEMBER 2017



- Seven major ports registered positive growth
- Highest growth registered by Cochin (20%), followed by Kolkata, Paradip & New Mangalore (each at 12%) compared to last year
- Cochin port growth attributed to increase in traffic of POL (28%), Containers (10%) & other cargo

- 7 प्रमुख बंदरगाहों में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की
- पिछले वर्ष की तुलना में सर्वाधिक बढ़ोत्तरी कोचीन (20 प्रतिशत) ने दर्ज की, इसके बाद कोलकाता, पारादीप और न्यू मंगलौर (प्रत्येक 12 प्रतिशत) का स्थान रहा
- कोचीन बंदरगाह की वृद्धि में पीओएल यातायात (28 प्रतिशत) कंटेनर 10 प्रतिशत और अन्य कार्गो यातायात में वृद्धि का योगदान रहा

शिपिंग, सड़क परिवहन और राजमार्ग तथा जल संसाधन नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा कि - प्रगति करने वाले बंदरगाह प्रधानमंत्री के नए भारत के विजन को आकार देने के लिए उत्प्रेरक बन रहे हैं। सरकार सतत विकास और समृद्धि जुटाने के लिए समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। परियोजनाओं की समय पर आपूर्ति अर्थव्यवस्था को अतिआवश्यक बढ़ावा देने में मदद करेगी। उन्होंने पूरे भारत में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए कहा कि परियोजनाओं के समय पर वितरण से अर्थव्यवस्था को बहुत जरूरी बढ़ावा मिलेगा। वर्धा में शुष्क बंदरगाह तथा अंडमान निकोबार द्वीपों में इन्फ्रा परियोजनाएं सागरमला परियोजना के तहत शामिल हैं जिनका उद्देश्य रसद लागतों को कम करना और बंदरगाह जनित विकास का मार्ग प्रशस्त करना है।

\*\*\*

वीके/आईपीएस/एस - 5022

(Release ID: 1505714) Visitor Counter : 7

